હિંદી દિવસ નિમિત્તે પોસ્ટર મેકિંગ સ્પર્ધાનુ આયોજન

नीमा गर्ल्स आर्ट्स कॉलेज में हिन्दी विभाग द्वारा विज्ञापन चित्र प्रतियोगिता का आयोजन

आजादी मिलने के बाद देश के सामने भाषा को लेकर बड़ी समस्याएँ थी क्योंकि करोड़ों भारतीयों द्वारा हजारों भाषाएं बोली जाती थीं। ऐसे में संविधान सभा में एकमत के साथ 14 सितंबर 1949 के दिन हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया इसी साथ हिंदी भाषा का प्रचार – प्रसार बढ़ने लगा और हिंदी भाषा उन्नति में आज समुच्चा भारत इसमें पूरी शक्ति के साथ कूद पड़ा तथा अपनी हिंदी भाषा के प्रति अपनी भावना व्यक्त करने लग। इस भावना की श्रुंखाला कड़ी में नीमा गर्ल्स आर्ट्स कॉलेज कैसे अछूता रहे? इसी भावना को वाचा देने के लिए हिंदी विभाग द्वारा विज्ञापन चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य विषय हिंदी प्रचार प्रसार चित्र विज्ञापन के संदर्भे प्रस्तुत लकरना रहा हैं। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालाय की २० विद्यार्थिनियों ने अपनी कला का कौशल प्रदर्शित करके अपने व्यक्तित्व का परिचय कराया हैं।

इस प्रतियोगिता में प्रथम क्रम पर प्रथम वर्ष की छात्रा कु. नीतू बाबूभाई चौहान, द्वितीय क्रमे प्रथम वर्ष की छात्रा कु. क्रिश्ना एन. शुक्ला और द्वितीय वर्ष की छत्रा अमृतभाई रबारी था प्रथम वर्ष की छत्रा कु. इशिका आर. जानी जबकि तृतीय क्रमे द्वितीय वर्ष की छत्रा कु. निकिता आर. रावळ रहे थे।

समग्र कार्यक्रम प्राचार्यश्री डॉ. राजेंद्रसिंह वाघेला की अनुमति से एवं हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. सोमाभाई पटेल के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रयासों से सम्पन्न रहा। इस समग्र कार्यक्रम का संचालन एवं मूल्यांकन हिन्दी विभाग के अध्यापक डॉ. दीपक सोंदरवा ने किया था। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के अध्यापक डॉ. विमळा बहन चौहान तथा IQAC समित्ति के अध्यक्ष डो. धर्मेंद्रसिंह वाघेला के साथ - साथ सभी शैक्षणिक एवं बिन शैक्षणिक मित्रों का सहयोग रहा।